डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0)
DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADH UNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

अमर उजाला माईसिटी

दिनांकः 09 मई, 2025 पृष्ठ संख्याः 03

अब वीसी के सलाहकार की भूमिका में होंगे संकायाध्यक्ष

कृषि विवि के कुलपति को मिला अविवि का अतिरिक्त प्रभार, संभाला कार्यभार

अमर उजाला ब्यूरो

अयोध्या। डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि सभी संकायाध्यक्ष अब उनके सलाहकार की भूमिका में होंगे। प्रवेश प्रक्रिया को सरल और प्रभावी बनाया जाएगा। सभी कर्मचारियों को समय से दफ्तर पहुंचना अनिवार्य होगा। इसमें हीलाहवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डॉ. सिंह बृहस्पतिवार को यहां के कुलपति का अतिरिक्त प्रभार संभालने के बाद कौटिल्य प्रशासनिक भवन में संकायाध्यक्ष और विश्वविद्यालय प्रशासन के अफसरों के साथ बैठक कर रहे थे। कुलाधिपति व राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर आचार्य नरेंद्र देव कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह को अतिरिक्त प्रभार सौपा गया है।

कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के 24 जून तक निजी कारणों से छुट्टी पर चले जाने के बाद कुलाधिपति ने कुलपति डॉ. सिंह को विश्वविद्यालय का कार्यभार दिया है।

कार्यभार संभालने के बाद विश्वविद्यालय के अधिकारियों और संकायाध्यक्षों के साथ बैठक में प्रभारी कुलपति ह ने कहा कि परिसर में जो भी विकास और निर्माण परियोजनाएं चल रही हैं, उनके काम में तेजी लाई जाए।

उन्होंने कहा कि सभी डीन के साथ हर

अवध विवि में बैठक करते प्रभारी कुलपति। -स्रोत : विवि

सरल और प्रभावी बनाई जाएगी प्रवेश प्रक्रिया, कर्मचारियों को समय से पहुंचना होगा दफ्तर

दो दिन के अंतराल पर नियमित रूप से बैठक करेंगे। कुलाधिपति के निर्देशों का पालन प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित कराया जाएगा। इसमें अफसरों के साथ डीन को सहयोग करना होगा।

करीब एक घंटे तक चली बैठक में कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाना है। जल्द ही सभी विभागाध्यक्षों के साथ भी बैठक की जाएगी।

कुलपति के साथ बैठक में कुलसचिव व विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. संत शरण मिश्र, परीक्षा नियंत्रक प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल, वित्त अधिकारी पूर्णेंदु शुक्ल, कला व मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. आशुतोष सिन्हा, विधि संकायाध्यक्ष प्रो. अशोक कुमार राय, वाणिज्य संकायाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक, उप कुलसचिव रीमा श्रावास्तव, सहायक कुलसचिव पीवी सावंत, सहायक अभियंता आरके सिंह व प्रोग्रामर रवि मालवीय मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों का किया निरीक्षण

कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कुलसचिव प्रो. संत शरण मिश्र और सहायक अभियंता आरके सिंह के साथ विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों मुख्य, नवीन व आईईटी का निरीक्षण किया। नवीन परिसर में चल रहे निर्माणाधीन भवनों के काम की प्रगति का जायजा लिया। इसके अलावा परिसर के सभी छात्रावासों की मूलभूत सुविधाओं से अवगत हुए। उन्होंने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को दिशा-निर्देश भी दिए।

दैनिक जागरण

दिनांक: 09 मई, 2025 पृष्ठ संख्या: 06

डा. बिजेंद्र सिंह को अविवि का भी प्रभार

प्रभारी कुलपति ने बैठक की और परिसर का निरीक्षण किया

जागरण संवाददाता ● अयोध्याः डा. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में गुरुवार को एक नया घटनाक्रम सामने आया। यहां की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल की जगह आचार्य नरेंद्रदेव कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. बिजेंद्र सिंह ने कुलपति पद का कार्यभार ग्रहण किया और कामकाज शुरू कर दिया।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद डा. सिंह ने अधिकारियों और वरिष्ठ शिक्षकों के साथ बैठक की और विवि के छात्रावासों व तीनों परिसरों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माणाधीन भवन भी देखे। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के आदेश के बाद डा. सिंह अपराह्न तीन बजे विवि परिसर पहुंचे और कौटिल्य प्रशासनिक भवन में कार्यभार ग्रहण किया। प्रो. प्रतिभा गोयल को कुलपति पद से हटाए जाने की चर्चा है, हालांकि विवि के मीडिया प्रभारी डा. विजयेंदु चतुर्वेदी ने बताया कि प्रो. गोयल निजी कारणों से 24 जून तक अवकाश पर हैं। सूत्रों के अनुसार, राजभवन ने कुलपति को हटाकर उनकी जगह डा. बिजेंद्र सिंह को कमान सौंपी है, बस आदेश निर्गत किया जाना शेष है। प्रो. गोयल के पिता की अस्वस्थता के कारण उन्होंने 24 जून तक का अवकाश लिया है। प्रो. प्रतिभा गोयल का कार्यकाल 21 नवंबर को पूर्ण होगा, और उनके कार्यकाल में मात्र छह माह शेष हैं, इसी कारण उनको हटाए जाने की चर्चा ने जोर पकड़ा है। इधर कुछ दिनों से कुलपति पद का कार्यभार मुख्य नियंता प्रो. एसएस मिश्र देख रहे थे।

कुलपति का प्रभार ग्रहण करने के बाद अधिकारियों व विभागाध्यक्षों के साथ बैठक करते प्रभारी कुलपति डा . बिजेंद्र सिंह (मध्य में) ● जागरण

विवि की प्रशासनिक कार्यशैली से क्षुब्ध है राजभवन : पिछले कुछ समय से अवध विवि में राजभवन की सक्रियता बढ़ी है। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के अलावा राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी व अन्य अधिकारियों ने विवि का औचक निरीक्षण किया। कुलाधिपति के निरीक्षण में विवि की कार्यशैली बेनकाब हुई थी। छात्रावास से लेकर इंजीनियरिंग कॉलेज व मुख्य परिसर में बुनियादी सुविधाएं गायब दिखीं। इस पर कुलाधिपति ने नाराजगी जताई थी। पहली बार कुलाधिपति की अध्यक्षता में कार्यपरिषद की बैठक हुई, जिसमें विवि के कायाकल्प की नींव रखी गई और 280 करोड़ का बजट पास किया गया। तभी से माना जा रहा था कि कुलपति को हटाया जा सकता है।

जिले की महत्वपूर्ण खबरें

www.jagran.com पर पढ़ें

राष्ट्रीय सहारा

दिनांक: 09 मई, 2025 पृष्ठ संख्या: 04

डॉ. बिजेंद्र को अवध विवि कुलपति का मिला प्रभार

अयोध्या (एसएनबी)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलाधिपति/प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर आचार्य नरेंद्र-

> आचार्य नरेंद्रदेव कृषि विवि के कुलपति हैं डॉ. सिंह
>
> कृषि विवि को नैक मूल्यांकन में मिल चुका है ए डबल प्लस
>
> कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल निजी कारणों से छुट्टी पर

देव कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह को अवध विश्वविद्यालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के 24 जून तक निजी कारणों से छुट्टी पर चले जाने के उपरांत कुलाधिपति ने कुलपति प्रो. बिजेंद्र सिंह को विश्वविद्यालय का कार्यभार दिया। प्रो. बिजेंद्र सिंह ने बृहस्पतिवार को दोपहर बाद विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में अतिरिक्त कुलपति का कार्यभार संभाल लिया है।

प्रभार ग्रहण करने के बाद बैठक में दिशा-निर्देश देते कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह। फोटो : एसएनबी

कार्यभार संभालने के पश्चात उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं सकायाध्यक्षों के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किया। वहीं दूसरी ओर कुलपति प्रो. सिंह ने कुलसचिव प्रो. संतशरण मिश्र व अभियंता आरके सिंह के साथ विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों का निरीक्षण किया।

नवीन परिसर में चल रहे निर्माणाधीन भवनों की कार्य प्रगति का जायजा लिया। इसके अलावा सभी छात्रावासों की मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। कुलपति डॉ. सिंह के ही कार्यकाल में नरेंद्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय उपलब्धियों से भरा रहा है। इस विश्वविद्यालय की गणना देश के चुनिंदा कृषि विश्वविद्यालयों में है। अवध विष्वविद्यालय जहां अभी नैक मूल्यांकन के लिये संघर्ष कर रहा है, वहीं आचार्य नरेंद्रदेव कृषि विवि को ए डबल प्लस मिल चुका है। इसके साथ ही कृषि विश्वविद्यालय हराभरा परिसर के लिये भी अपनी पहचान बना चुका है। उसके खाते में एक-एक कर कई उपलब्धियां जुड़ चुकी हैं।

कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में डॉ. बिजेंद्र सिंह अपना तीन वर्ष का कार्यकाल पूरा करने के बाद दोबारा कार्यकाल मिलने के बाद कार्य कर रहे हैं। वह पिछले वर्ष आचार्य नरेंद्रदेव कृषि विवि का कुलपति रहते हुए कानपुर स्थित चंद्रशेखर विवि के भी कार्यवाहक कुलपति को रूप में कार्य करते रहे थे। अभी पिछले दिनों में एनसीसी का कर्नल कमांडेंट का भी सम्मान मिल चुका है।

राष्ट्रीय सहारा

दिनांकः 09 मई, 2025 पृष्ठ संख्याः 04

चित्रकला अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम

अयोध्या (एसएनबी)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग एवं उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजातीय संस्कृति संस्थान लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय चित्रकला कार्यशाला का समापन हुआ। सृजन शीर्षक के अंतर्गत आयोजित कार्यशाला में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. आशुतोष सिन्हा व मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजातीय संस्कृति संस्थान लखनऊ की सदस्य डॉ. कुमुद सिंह ने छात्र-छात्राओं की कृतियों का अवलोकन कर प्रशंसा की और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। सर्वश्रेष्ठ कृति को सम्मानित भी किया गया।

कार्यशाला के समापन पर प्रो. आशुतोष सिन्हा ने कहा कि चित्रकला अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम है। प्रतिभागियों ने अपनी सृजनात्मकता परिचय दिया है जो समाज के लिए उपयोगी होगा। मुख्य अतिथि डॉ. कुमुद सिंह ने छात्र-छात्रों की सृजनशीलता को उच्च कोटि का बताया और उन्हें उनकी कृति के लिए शुभाशीष प्रदान किया। डॉ. प्रिया कुमारी ने छात्र-छात्राओं की कृतियों के प्रशंसा करते हुए कहा कि ये भारत के भावी कलाकार हैं जो भारत का नाम विश्व पटल पर ले जाएंगे।

कलाकृतियों की बारीकी बतातीं प्राध्यापक । फोटो : एसएनबी

कार्यशाला की मुख्य प्रशिक्षका एवं फाइन आर्ट की सहायक आचार्य डॉ. सरिता द्विवेदी ने बताया कि कार्यशाला के समापन पर सभी छात्र-छात्राओं की कृतियों का प्रदर्शन किया गया। उन्हें प्रमाण पत्र देकर उत्साहवर्धन किया गया। वन विभाग की श्रीमती उमा सिंह ने सफल आयोजन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सरिता द्विवेदी व धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती रीमा सिंह ने किया। इस अवसर डॉ. अलका श्रीवास्तव, डॉ. रचना श्रीवास्तव समेत छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

वीसी ने संभाली अवध विवि की भी कमान

संकायाध्यक्षों के साथ बैठक कर किया परिसर का निरीक्षण

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : डॉ राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रों प्रतिभा गोयल आगामी 24 जून तक लंबी छुट्टी पर गई हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा गुरुवार को बताया गया है कि कुलपति व्यक्तिगत कारणों से अवकाश पर गई हैं। इसके चलते आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह को अवध विश्वविद्यालय का अतिरिक्त प्रभार राजभवन लखनऊ से सौंपा गया है।

इधर, गुरुवार दोपहर तीन बजे कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह ने अवध विश्वविद्यालय का भी कार्यभार ग्रहण कर लिया। यहां पर पहुंचे कुलपति ने सबसे पहले सभी संकाय अध्यक्षों के साथ प्रशासनिक भवन में बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने सभी से कार्य योजना की जानकारी ली और जरुरी निर्देश दिए। यह भी निर्देश दिए कि कार्य और शिक्षण व्यवस्था को लेकर समय का गंभीरता से पालन किया जाए। उन्होंने निर्माणाधीन कार्यों व परियोजनाओं को परखा। मुख्य परिसर का भी निरीक्षण किया और छात्रावास भी गए। मीडिया प्रभारी डॉ विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि कुलपति के अवकाश पर जाने से राजभवन द्वारा विश्वविद्यालय का प्रभार कृषि विवि के कुलपति को सौंपा गया है।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद संकाय अध्यक्षों संग बैठक करते वीसी डॉ बिजेन्द्र सिंह।

अमृत विचार

दिनांकः 09 मई, 2025 पृष्ठ संख्याः 03

चित्रकला अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के ललित कला (फाइन आर्ट्स) विभाग एवं उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजातीय संस्कृति संस्थान लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय चित्रकला कार्यशाला का समापन हो गया।

सृजन शीर्षक के अन्तर्गत आयोजित कार्यशाला में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. आशुतोष सिन्हा व मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजातीय संस्कृति संस्थान लखनऊ की सदस्य डॉ. कुमुद सिंह ने छात्र-छात्राओं की कृतियों का अवलोकन कर प्रशंसा की और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। वहीं सर्वश्रेष्ठ कृति को सम्मानित भी किया गया। प्रो. आशुतोष सिन्हा ने कहा कि अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम चित्रकला है। मुख्य अतिथि डॉ. कुमुद सिंह ने छात्र-छात्रों की सृजनशीलता को उच्च कोटि का बताया। डॉ. प्रिया कुमारी ने कहा कि ये भारत के भावी कलाकार है। मुख्य प्रशिक्षका एवं फाइन आर्ट की सहायक आचार्य डॉ. सरिता द्विवेदी ने बताया कि कार्यशाला के समापन पर सभी छात्र-छात्राओं की कृतियों का प्रदर्शन किया गया। संचालन डॉ सरिता द्विवेदी ने किया। डॉ. अलका श्रीवास्तव, डॉ. रचना श्रीवास्तव, गैर शैक्षणिक कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं रहीं।

चित्रकला कार्यशाला में प्रतिभागियों को सम्मानित करते प्रो. आशुतोष सिन्हा।

हिन्दुस्तान

दिनांक: 09 मई, 2025 पृष्ठ संख्या: 04

कुलपति का अतिरिक्त प्रभार संभाला

अवध विवि

अयोध्या, संवाददाता। प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय का आचार्य नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बिजेन्द्र सिंह को अतिरिक्त प्रभार सौपा गया है। कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के 24 जून तक निजी कारणों से अवकाश पर जाने से अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

कुलपति प्रो. बिजेन्द्र सिह अवध विवि के शिक्षक एवं अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए।

गुरूवार को प्रो. बिजेन्द्र सिंह ने कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में अतिरिक्त कुलपति का कार्यभार संभा और विवि के अधिकारियों एवं सकायाध्यक्षों के साथ बैठक की। एवं आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किया। कुलपति ने कुलसचिव प्रो. एसएस मिश्र एवं अभियंता आरके सिंह के साथ आवासीय परिसर, नवीन परिसर व आईईटी परिसर का निरीक्षण किया और सुविधाएं परखीं। कुलपति ने नवीन परिसर में निर्माणाधीन भवनों की कार्य प्रगति की सच्चाई जानी। इसके अलावा सभी छात्रावासों में मूलभूत सुविधाओं से अवगत हुए। बैठक में वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल के अलावा संकायाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान

दिनांक: 09 मई, 2025 पृष्ठ संख्या: 04

चित्रकला अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यमः आशुतोष

चित्रकला कार्यशाला की प्रतिभागी को सम्मानित करते कला संकायाध्यक्ष प्रो . आशुतोष सिन्हा व अन्य।

- सात दिवसीय चित्रकला कार्यशाला का समापन हुआ
- प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया

अयोध्या, संवाददाता। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के ललित कला (फाइन आर्ट्स) विभाग एवं उत्तर प्रदेश लोक तथा जनजातीय संस्कृति संस्थान लखनऊ की ओर से आयोजित सात दिवसीय चित्रकला कार्यशाला का समापन हुआ। गुरूवार को कार्यशाला के समापन पर प्रतिभागियों ने डिस्प्ले पर कला को प्रदर्शित किया।इसके अलावा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया और सर्वश्रेष्ठ कृति को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. आशुतोष सिन्हा एवं मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजातीय संस्कृति संस्थान लखनऊ की सदस्य डॉ. कुमुद सिंह ने छात्र-छात्राओं की कृतियों का अवलोकन किया और सराहना की। संकायाध्यक्ष ने कहा कि अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम चित्रकला है। प्रतिभागियों ने अपनी सृजनात्मकता परिचय दिया है जो समाज के लिए उपयोगी होगा। मुख्य अतिथि ने छात्र-छात्राओं की सृजनशीलता को उच्च कोटि का बताया और उन्हें उनकी कृति के लिए शुभाशीष प्रदान किया।

डॉ. प्रिया कुमारी ने छात्र-छात्राओं की कृतियों के प्रशंसा करते हुए कहा कि ये भारत के भावी कलाकार है जो भारत का नाम विश्व पटल पर ले जाएंगे। मुख्य प्रशिक्षका डॉ. सरिता द्विवेदी ने बताया कि कार्यशाला के समापन पर सभी छात्र-छात्राओं की कृतियों का प्रदर्शन किया गया। वन विभाग की उमा सिंह ने सफल आयोजन के लिए बधाई दी। संचालन डॉ. सरिता द्विवेदी एवं रीमा सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान डॉ. अलका श्रीवास्तव, डॉ. रचना श्रीवास्तव व अन्य मौजूद रहीं।

स्वतंत्र चेतना

दिनांकः 09 मई, 2025 पृष्ठ संख्याः 03

अवध विवि में चित्रकला कार्यशाला का समापन

प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र देकर किया सम्मानित

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या। अवध विश्वविद्यालय के ललित कला (फाइन आर्ट्स) विभाग एवं उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजातीय संसति संस्थान लखनऊके संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय चित्रकला कार्यशाला का समापन हुआ।

सृजन शीर्षक के अन्तर्गत आयोजित कार्यशाला में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो0 आशुतोष सिन्हा व मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजातीय संसति संस्थान लखनऊकी सदस्य डा0 कुमुद सिंह ने छात्र-छात्राओं की तियों का अवलोकन कर भूरी भूरी प्रशंसा की और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। वहीं सर्वश्रेष्ठ ति को सम्मानित भी किया गया। कार्यशाला के समापन पर प्रो0 आशुतोष सिन्हा ने कहा कि अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम चित्रकला है। प्रतिभागियों ने अपनी सृजनात्मकता परिचय दिया है जो समाज के लिए उपयोगी होगा।

मुख्य अतिथि ड0 कुमुद सिंह ने छात्र-छात्रों की सृजनशीलता को उच्च कोटि का बताया और उन्हें उनकी ति के लिए शुभाशीष प्रदान किया। कार्यशाला डॉ0 प्रिया कुमारी ने छात्र-छात्राओं की तियों के प्रशंसा करते हुए कहा कि ये भारत के भावी कलाकार है जो भारत का नाम विश्व पटल पर ले जाएंगे। कार्यशाला के समापन पर सभी छात्र-छात्राओं की तियों का प्रदर्शन किया गया। उन्हें प्रमाण पत्र देकर उत्साहवर्धन किया गया।

वही वन विभाग की उमा सिंह ने सफल आयोजन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 सरिता द्विवेदी व धन्यवाद ज्ञापन रीमा सिंह ने किया। इस अवसर ड0 अलका श्रीवास्तव, ड0 रचना श्रीवास्तव, गैर शैक्षणिक कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या मे छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अवध गाथा

दिनांक: 09 मई, 2025 पृष्ठ संख्या: 05

सात दिवसीय चित्रकला कार्यशाला हुआ समापन

प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया

अवध गाथा संवाददाता

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के ललित कला (फाइन आर्ट्स) विभाग एवं उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजातीय संस्कृति संस्थान लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय चित्रकला कार्यशाला का समापन हुआ। सृजन शीर्षक के अन्तर्गत आयोजित कार्यशाला में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. आशुतोष सिन्हा व मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजातीय संस्कृति संस्थान लखनऊ की सदस्य डॉ. कुमुद सिंह ने छात्र-छात्राओं की कृतियों का अवलोकन कर भूरी भूरी प्रशंसा की और

प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। वहीं सर्वश्रेष्ठ कृति को सम्मानित भी किया गया। कार्यशाला के समापन पर प्रो. आशुतोष सिन्हा ने कहा कि अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम चित्रकला है। प्रतिभागियों ने अपनी सृजनात्मकता परिचय दिया है जो समाज के लिए उपयोगी होगा। मुख्य अतिथि डॉ. कुमुद सिंह ने छात्र-छात्रों की सृजनशीलता को उच्च कोटि का बताया और उन्हें उनकी कृति के लिए शुभाशीष प्रदान किया। कार्यशाला डॉ. प्रिया कुमारी ने छात्र-छात्राओं की कृतियों के प्रशंसा करते हुए कहा कि ये भारत के भावी कलाकार है जो भारत का नाम विश्व पटल पर ले जाएंगे। कार्यशाला की मुख्य प्रशिक्षका एवं फाइन आर्ट की सहायक आचार्य डॉ. सरिता द्विवेदी ने बताया कि कार्यशाला के समापन पर सभी छात्र-छात्राओं की कृतियों का प्रदर्शन किया गया। उन्हें प्रमाण पत्र देकर उत्साहवर्धन किया गया। वही वन विभाग की श्रीमती उमा सिंह ने सफल आयोजन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सरिता द्विवेदी ने किया। अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती रीमा सिंह ने किया। इस अवसर डॉ. अलका श्रीवास्तव, डॉ. रचना श्रीवास्तव, गैर शैक्षणिक कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या मे छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

तरूणमित्र

दिनांकः 09 मई, 2025 पृष्ठ संख्याः 06

सात दिवसीय चित्रकला कार्यशाला हुआ समापन

प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के ललित कला (फाइन आर्ट्स) विभाग एवं उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजातीय संस्कृति संस्थान लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय चित्रकला कार्यशाला का समापन हुआ। सृजन शीर्षक के अन्तर्गत आयोजित कार्यशाला में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. आशुतोष सिन्हा व मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजातीय संस्कृति संस्थान लखनऊ की सदस्य डॉ. कुमुद सिंह ने छात्र-छात्राओं की कृतियों का अवलोकन कर भूरी भूरी प्रशंसा की और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। वहीं सर्वश्रेष्ठ कृति को सम्मानित भी किया गया।

कार्यशाला के समापन पर प्रो. आशुतोष सिन्हा ने कहा कि अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम चित्रकला है। प्रतिभागियों ने अपनी सृजनात्मकता परिचय दिया है जो समाज के लिए उपयोगी होगा। मुख्य अतिथि डॉ. कुमुद सिंह ने छात्र-छात्रों की सृजनशीलता को उच्च कोटि का बताया और उन्हें उनकी कृति के लिए शुभाशीष प्रदान किया। कार्यशाला डॉ. प्रिया कुमारी ने छात्र-छात्राओं की कृतियों के प्रशंसा करते हुए कहा कि ये भारत के भावी कलाकार है जो भारत का नाम विश्व पटल पर ले जाएंगे। कार्यशाला की मुख्य प्रशिक्षका एवं फाइन आर्ट की सहायक आचार्य डॉ. सरिता द्विवेदी ने बताया कि कार्यशाला के समापन पर सभी छात्र-छात्राओं की कृतियों का प्रदर्शन किया गया। उन्हें प्रमाण पत्र देकर उत्साहवर्धन किया गया। वही वन विभाग की श्रीमती उमा सिंह ने सफल आयोजन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सरिता द्विवेदी ने किया। अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती रीमा सिंह ने किया। इस अवसर डॉ. अलका श्रीवास्तव, डॉ. रचना श्रीवास्तव, गैर शैक्षणिक कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या मे छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रो0 बिजेन्द्र सिंह को अवध विवि के कुलपति का अतिरिक्तप्रभार

बस्ती की पुकार

अयोध्याः— डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलाधिपति प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनन्दीबेन पटेल के निर्देश पर आचार्य नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 बिजेन्द्र सिंह को विश्वविद्यालय का अतिरिक्त प्रभार सौपा गया। कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल के 24 जून तक निजी कारणों से छुट्टी पर चले जाने के उपरांत कुलाधिपति ने कुलपति प्रो0 बिजेन्द्र सिंह को विश्वविद्यालय का कार्यभार दिया। प्रो0 बिजेन्द्र सिंह ने अपराह्न विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन के सभागार में अतिरिक्त कुलपति का कार्यभार संभाल लिया है। कार्यभार के पश्चात् विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं सकायाध्यक्षों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की एवं आवश्यक दिशा—निर्देश प्रदान किया। वही दूसरी ओर कुलपति प्रो0 सिंह ने कुलसचिव प्रो0 संत शरण मिश्र व अभियंता आरके सिंह के साथ विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों का निरीक्षण किया। नवीन परिसर में चल रहे निर्माणाधीन भवनों की कार्य प्रगति का जायजा लिया। इसके अलावा सभी छात्रावासों की मूलभूत सुविधाओं से अवगत हुए। इस बैठक में वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल व संकायाध्यक्ष व विभागाध्यक्ष मौजूद रहे।

बस्ती की पुकार

दिनांक: 09 मई, 2025 पृष्ठ संख्या: 04

अवध विवि सात दिवसीय चित्रकला कार्यशाला हुआ समापन

अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम चित्रकला :– प्रो0 आशुतोष सिन्हा

प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण–पत्र देकर सम्मानित किया गया

बस्ती की पुकार

अयोध्या:– डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के ललित कला (फाइन आर्ट्स) विभाग एवं उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजातीय संस्कृति संस्थान लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सात दिवसीय चित्रकला कार्यशाला का समापन हुआ। सृजन शीर्षक के अन्तर्गत आयोजित कार्यशाला में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो0 आशुतोष सिन्हा व मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजातीय संस्कृति संस्थान लखनऊ की सदस्य डॉ0 कुमुद सिंह ने छात्र–छात्राओं की कृतियों का अवलोकन कर भूरी भूरी प्रशंसा की और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। वहीं सर्वश्रेष्ठ कृति को सम्मानित भी किया गया।

कार्यशाला के समापन पर प्रो0 आशुतोष सिन्हा ने कहा कि अभिव्यक्ति का एक सशक्त माध्यम चित्रकला है। प्रतिभागियों ने अपनी सृजनात्मकता परिचय दिया है जो समाज के लिए उपयोगी होगा। मुख्य अतिथि डॉ0 कुमुद सिंह ने छात्र–छात्रों की सृजनशीलता को उच्च कोटि का बताया और उन्हें उनकी कृति के लिए शुभाशीष प्रदान किया। कार्यशाला डॉ0 प्रिया कुमारी ने छात्र–छात्राओं की कृतियों के प्रशंसा करते हुए कहा कि ये भारत के भावी कलाकार है जो भारत का नाम विश्व पटल पर ले जाएंगे। कार्यशाला की मुख्य प्रशिक्षका एवं फाइन आर्ट की सहायक आचार्य डॉ0 सरिता द्विवेदी ने बताया कि कार्यशाला के समापन पर सभी छात्र–छात्राओं की कृतियों का प्रदर्शन किया गया। उन्हें प्रमाण पत्र देकर उत्साहवर्धन किया गया। वही वन विभाग की श्रीमती उमा सिंह ने सफल आयोजन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 सरिता द्विवेदी ने किया। अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती रीमा सिंह ने किया। इस अवसर डॉ0 अलका श्रीवास्तव, डॉ0 रचना श्रीवास्तव, गैर शैक्षणिक कर्मचारियों सहित बड़ी संख्या मे छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।